□□□□ □□□□□
स□□स्थ्य □□ □f□□□□ □ल□□□ □त्र□□□
स□□स्थ□ □□ □f□□□□ □ल□□□ □□□□□

□□□ □□□

अतारां□कत प्रश्न □ख□□ : 3352

12 □□□□, 2019 को पूछे जाने वाले प्रश्न □□ □त□□

□□□ □□□□ प्रत□□□□

3352. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः

□□. □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□

श्री कुलदीप राय शमाः

□□. □□□□ □□□□□□ □□□□□□

□□. □□□□ □□□f□□ □□ल□□□

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या पिछले दो दशकों म देश म जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन जनगणनाओं म प्रत्येक वष को जनगणना के दौरान लोगों को औसत जीवन प्रत्याशा दशाते हुए इसके लिए जिम्मेदार कारकों का लिग-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने आने वाले वर्षों म लोगों को बढ़ती जीवन प्रत्याशा के साथ देश के सामने आने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों को पहचान को है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन चुनौतियों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए ह और क्या कदम प्रस्तावित ह; और

(ङ) स्वस्थ्य जीवन सुनिश्चित करने के लिए और देश म लोगों को औसत जीवन प्रत्याशा को बेहतर बनाने के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या उपाय किए गए/प्रस्तावित ह?

<u>□त□□</u>

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क): भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त के कायालय को नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) पर आधारित अनुमान दशाते ह कि जन्म के समय औसत जीवन प्रत्याशा वष 1992-96 को अवधि म 60.7 वष से सुधर कर 2012-16 (नवीनतम उपलब्ध) के दौरान 68.7 हो गई है। भारत म 1992-96 से लेकर 2012-16 तक को अवधि म लिग के अनुसार जन्म के समय अनुमानित जीवन प्रत्याशा (वर्षों म) अनुलग्नक-I म दी गई है।

(ख): हमारे देश म जीवन प्रत्याशा म वृद्धि के प्रमुख कारण शिशु और मातृत्व मृत्यु दरों म तीव्र गिरावट और बाल्यावस्था और किशोरावस्था म संक्रामक रोगों के विरुद्ध प्रतिरक्षण म हुई वृद्धि है। इसके अलावा, बेहतर आवास सुविधा को उपलब्धता, स्वच्छता, शिक्षा, छोटे परिवारों का रुझान, बढ़ती आय और सावजनिक स्वास्थ्य संबंधी अन्य उपायों जैसे कि निवारक और संवर्द्धनात्मक स्वास्थ्य परिचया आदि का भी महामारी विज्ञान संबंधी इस परिवतन म अत्यधिक योगदान है।

दशकोय जनगणना से जीवन प्रत्याशा के बारे म जानकारी नहों मिलती है। 1990-94, 2000-04, 2009-13 और 2012-16 अवधियों के लिए भारत और बड़े राज्यों को नमूना पंजीकरण प्रणाली पर आधारित जन्म के समय को अनुमानित जीवन प्रत्याशा के राज्यवार और लिग-वार अनुमान अनुलग्नक-II पर उपलब्ध ह।

(ग) और (घ): 60 वष और इससे अधिक के आयु वाले वृद्ध जनों पर सरकार और भारत स्थित डब्ल्यूएचओ कायालय द्वारा संयुक्त रूप से कराए गए विभिन्न वर्गों और समुदाय के विभिन्न आयामों पर आधारित अध्ययन से पता चलता है कि उच्च रक्तचाप, डायबिटीज़ मेलिटस, इशिमिक हृदय रोग, खराब दृष्टि, सुनने म कठिनाई, एनीमिया, आथराइटिस, गिरना/फ्रैक्चर, आंत संबंधी शिकायत, मूत्र संबंधी शिकायत, अल्सर, वज़न कम होना, दमा, चिरकालिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मनरी रोग, क्षय रोग आदि वृद्ध रोगियों म समान्य रूप से पाए जाते ह।

वृद्धों के लिए विशिष्ट और अभिगम्य स्वास्थ्य परिचया को जरूरत को देखते हुए, सरकार ने अनेक कायक्रम शुरू किए ह जिनम राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य परिचया कायक्रम (एनपीएचसीआई) और वृद्ध व्यक्तियों हेतु आयुष्मान भारत जैसे समेकित कायक्रम शामिल ह। इन कायक्रमों का उद्देश्य है वरिष्ठ नागरिकों (60 वष और इससे अधिक आयु के) को प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य परिचया सेवा प्रदानगी प्रणाली के अंतगत स्वास्थ्य परिचया सुविधाएं प्रदान करना और लोगों को औसत जीवन-प्रत्याशा म और अधिक वृद्धि करना। सरकार ने 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक देखभाल और कल्याण अधिनियम, 2007 को भी अधिनियमित किया है।

(ङ) : देश म स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने और लोगों को औसत जीवन-प्रत्याशा म और अधिक सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए प्रस्तावित किए गए अन्य उपाय निम्नानुसार है:

विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य पर किए गए कार्यों के प्रति आम जन को लामबंद करना

- स्वास्थ्य पर सरकारी निधि पोषण को बढ़ाकर जीडीपी का कम से कम 2.5 तक करना चाहिए जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 म विचार किया गया था।
- उपयुक्त नीतिगत उपायों के माध्यम से ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जिसम योग और अन्य शारीरिक क्रियाकालपों सहित स्वस्थ विकल्पों और व्यवहारों को बढ़ावा मिले।
- तंबाकू, शराब और अस्वास्थ्यकर भोज्य पदार्थों जैसे सोडा और शकरायुक्त पेय पदार्थों पर करों को वृद्धि
- स्वास्थ्य परिचया के विकल्पों म विस्तार लाने के लिए वष 2022-23 तक कम से कम 50 प्रतिशत प्राथमिक स्वास्थ्य कद्रों, 70 प्रतिशत सामुदायिक स्वास्थ्य कद्रों और 100 प्रतिशत जिला अस्पतालों म आयुष सेवाओं का भी साथ-साथ प्रावधान करना।

- 60 वष से अधिक को आयु वाले सभी वृद्ध नागरिकों को राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य परिचया कायक्रम (एनपीएचसीई) के अंतगत जिला अस्पताल को जराचिकित्सा इकाइयों, सामुदायिक स्वास्थ्य कद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य कद्रों म निवारक व संवर्द्धनात्मक सेवाओं से लेकर पुनवास तक को सतत स्वास्थ्य परिचया प्रदान को जा रही है।
- प्रशामक (पैलिएटिव) परिचया हेतु राष्ट्रीय कायक्रम (एनपीसीसी) के तहत कसर, एड्स आदि के अत्यंत गंभीर मामलों म प्रशापक स्वास्थ्य परिचया प्रदान को जा रही है।
- गैर-संचारी रोगों के लिए बेसलाइन डाटा सहित एक व्यापक एमआईएस तैयार को जा रही है।

भारत म lलग के आधार पर 1992-96 [illegible]2012-16 [illegible] प्रत[illegible]

[illegible]	[illegible]ध[illegible]-[illegible]	[illegible]	[illegible]रु[illegible]	स्त्री
1992-96	1994	60.7	60.1	61.4
1993-97	1995	61.1	60.4	61.8
1994-98	1996	61.4	60.6	62.2
1995-99#	1997	61.5	60.8	62.3
1996-00#	1998	61.9	61.2	62.7
1997-01#	1999	62.3	61.4	63.3
1998-02	2000	62.9	61.9	64.0
1999-03	2001	63.4	62.3	64.6
2000-04	2002	63.9	62.8	65.2
2001-05	2003	64.3	63.1	65.6
2002-06	2004	64.7	63.5	66.1
2003-07	2005	65.0	63.7	66.5
2004-08	2006	65.4	64.0	66.9
2005-09	2007	65.7	64.3	67.2
2006-10	2008	66.1	64.6	67.7
2007-11	2009	66.5	64.9	68.2
2008-12	2010	67.0	65.4	68.8
2009-13	2011	67.5	65.8	69.3
2010-14	2012	67.9	66.4	69.6
2011-15	2013	68.3	66.9	70.0
2012-16	2014	68.7	67.4	70.2

#: भारत म जम्मू और कश्मीर शामिल नहीं है।

स्रोत: एसआरएस आधारित संक्षिप्त जीवन सारणियां (वष-वार)-महापंजीयक और जनगणना आयुक्त, भारत

□□□□ □□ □□□□ज□ों को लिग-□□□ □न□ □□□□□ □□□□-प्रत्या□□

क्र.□□	□□□□/□□ज□	□□ि□											
		1990-94			2000-04			2009-13			2012-16		
		□□□	□रु□	स्त्र□	□□□	□रु□	स्त्र□	□□□	□रु□	स्त्र□	□□□	□रु□	स्त्र□
□□□□		**60.0**	**59.4**	**60.4**	**63.9**	**62.8**	**65.2**	**67.5**	**65.8**	**69.3**	**68.7**	**67.4**	**70.2**
1	आन्ध्र प्रदेश	61.2	60.1	62.2	64.6	62.3	67.1	67.9	65.5	69.6	69.6	68.0	71.4
2	असम	55.1	54.6	55.8	58.8	58.2	59.6	63.3	61.9	65.5	65.5	64.4	66.8
3	बिहार	58.9	59.9	57.8	64.1	64.3	63.9	67.7	67.3	68.7	68.7	68.9	68.5
4	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	65.2	63.6	66.8
5	दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	74.2	72.7	75.9
6	गुजरात	60.5	59.4	61.4	65.6	63.7	67.6	68.2	66.0	70.5	69.5	67.4	71.8
7	हरियाणा	63.2	62.8	63.9	66.1	64.6	67.8	68.2	65.8	70.9	69.4	67.2	72.0
8	हिमाचल प्रदेश	64.2	63.9	64.3	69.5	67.3	72.0	71.0	69.0	73.1	72.3	69.4	75.5
9	जम्मू और कश्मीर	n.a.	n.a.	n.a.	67.3	65.9	68.9	72.0	70.6	74.0	73.5	71.6	76.2
10	झारखण्ड	-	-	-	-	-	-	-	-	-	67.9	67.8	68.0
11	कनाटक	62.3	60.4	63.8	65.8	63.3	68.6	68.5	66.4	70.8	69.1	67.6	70.7
12	केरल	72.7	69.5	75.3	73.2	70.3	76.1	74.8	71.8	77.8	75.1	72.2	77.9
13	मध्य प्रदेश	54.5	54.4	54.5	59.3	58.6	60.0	63.8	62.3	65.5	65.4	63.7	67.2
14	महाराष्ट्र	64.5	63.3	65.5	67.5	65.8	69.2	71.3	69.4	73.4	72.2	70.8	73.7
15	ओडिशा	55.9	56.2	55.7	60.4	59.3	61.5	64.8	63.8	65.9	67.6	66.2	69.1
16	पंजाब	67.0	65.7	67.9	68.3	67.2	69.5	71.1	69.1	73.4	72.5	71.0	74.2
17	राजस्थान	58.6	58.0	59.1	64.1	62.6	65.6	67.5	65.4	70.0	68.3	66.1	70.7
18	तमिलनाडु	62.9	61.8	63.9	66.7	65.3	68.2	70.2	68.2	72.3	71.4	69.5	73.4
19	उत्तर प्रदेश	56.5	56.8	55.6	60.5	60.4	60.7	63.8	62.5	65.2	64.8	63.9	65.6
20	उत्तराखंड	-	-	-	-	-	-	-	-	-	71.5	68.5	74.8
21	पश्चिम बंगाल	61.6	61.1	62.3	66.8	65.3	68.5	69.9	68.5	71.6	70.8	69.8	71.9

एन ए –उपलब्ध नहों स्रोत: एसआरएस आधारित संक्षिप्त जीवन सारणियां (वष-वार)-महापंजीयक और जनगणना आयुक्त, भारत